मारे गए आतंकी — तीनों आतंकियों पर पंजाब के गुरुदासपुर में पुलिस चौकी पर हुए हमले में संलिप्तता के आरोप थे

पीलीभीत में मारे गए 3 वांटेड खालिस्तानी आतंकवादी, दो एके-47 राइफल बरामद

● **मंथन संवाददाता**

पीलीभीत। पुलिस के अनुसार, गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह और जसनप्रीत सिंह नामक आरोपियों का संबंध खालिस्तान कमांडो फोर्स नामक प्रतिबंधित संगठन से था। पुलिस ने उनके कब्जे से दो एके-47 राइफल और एक ग्लॉक पिस्तौल भी जब्त की है। जानकारी अनुसार पंजाब और यूपी पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन के तहत यह कार्रवाई की है। तीन आतंकियों के एनकाउंटर को दोनों राज्यों के पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है। एनकाउंटर जिले के पूरनपुर इलाके में हुआ है।

ऐसे में एक्शन में आते हुए पुलिस ने सूचना के आधार पर इलाके के घेराबंदी की। उन्होंने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए उन्हें सरेंडर करने को कहा लेकिन वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। ऐसे में पुलिस और आतंकवादियों के बीच

वीरेंद्र सिंह | गुरविंदर सिंह | जसन प्रीत सिंह

मुठभेड़ शुरू हो गया, जिसमें तीनों खालिस्तानी आतंकवादी मारे गए।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने कही ये बात

घटना के संबंध में बात करते हुए उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि इस ऑपरेशन की अगुवाई पीलीभीत के एसपी ने की। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस ने यूपी पुलिस को इन तीनों आतंकियों के जिले में छिपे होने की सूचना मिली थी। तीनों पर पंजाब के गुरुदासपुर में पुलिस चौकी पर हुए हमले में संलिप्तता के आरोप थे।

अधिकारी ने बताया कि सरेंडर करने से इनकार के बाद मुठभेड़ हुई, जिसमें तीनों आतंकी मारे गए। गोली लगने के बाद उन्हें अस्पताल लेकर जाया गया, लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पंजाब और यूपी के पुलिस के समन्वय से चलाए गए ज्वाइंट ऑपरेशन में ये बड़ी कामयाबी मिली है।

ऐसे हुआ एनकाउंटरः पीलीभीत के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में पंजाब और उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन खलिस्तानी आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया। इन आतंकियों ने पंजाब के गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड और बम से हमला किया था। इसके बाद तीनों पूरनपुर क्षेत्र में आकर छिप गए थे। सोमवार सुबह करीब पांच बजे यहां हरदाई ब्रांच नहर के समीप हुई मुठभेड़ में तीनों मारे गए। मुठभेड़ में यूपी पुलिस के दो सिपाही भी घायल हुए हैं। सिपाहियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, मुठभेड़ के बाद पुलिस ने तीन किलोमीटर का एरिया सील कर दिया। गहनता से जांच पड़ताल की। मारे गए आतंकियों के पास दो एके-47, दो विदेशी पिस्टल और पूरनपुर से चुराई गई बाइक बरामद हुई है।

पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अविनाश पांडेय ने बताया कि पंजाब के गुरदासपुर जनपद में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड फेंके गए थे। जिन संदिग्धों ने यह घटना को अंजाम दिया, वे पूरनपुर में छिपे हुए थे। उसी क्रम में पंजाब के गुरदासपुर की पुलिस टीम थाना पुरनपूर पर आई थी। यहां संदिग्धों की तलाश शुरू की गई। खमरिया प्वाइंट पर पिकेट ने सूचना दी कि सोमवार तड़के एक बाइक पर तीन संदिग्ध पीलीभीत की तरफ जा रहे थे। पूरनपुर और गुरदासपुर की पुलिस टीम ने पीछा किया। आगे चलकर ये संदिग्ध निर्माणाधीन पुल से माधोटांडा की तरफ मुड़ गए। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने भारी फायरिंग की। एसपी के मुताबिक पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीनों युवकों के गोलियां लगीं। अस्पताल में तीनों की मृत घोषित कर दिया गया। एनकाउंटर में मारे गए आरोपियों से दो एके-47, दो विदेशी पिस्टल, चोरी की बाइक बरामद हुई है। आरोपी कहां छिपे थे, इसके बारे में जांच कराई जा रही है।

कुवैत ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर से सम्मानित किया

मोदी ने की 43 साल की भरपाई, आतंकवाद के खिलाफ मिला कुवैत का साथ; रक्षा समेत 4 अहम समझौते

● **मंथन संवाददाता**

नई दिल्ली। सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ खाड़ी क्षेत्र का एक और देश भारत के साथ आ खड़ा हुआ है। यह देश कुवैत है, जिसका दो दिवसीय दौरा समाप्त कर पीएम नरेन्द्र मोदी रविवार देर रात स्वदेश लौटे। इस दौरान मोदी ने कुवैत प्रशासन की तीनों शीर्ष शख्सियतों अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा, क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालीद और पीएम शेख अहमद अल-अबदुल्ला से अलग-अलग मुलाकात की।

संयुक्त बयान में भारत और कुवैत ने सीमा पार समेत हर तरह के आतंकवाद की निंदा की है और आतंकियों की सुरक्षित पनाहगाहों और उन्हें वित्तीय मदद देने वाली व्यवस्था को खत्म करने की मांग की। कुवैत ने हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग का एलान किया। भारत लगातार पड़ोसी देश पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाता है और यह संयुक्त बयान पाकिस्तान पर निशाना है।

कुवैत होगा रणनीतिक साझेदार

आतंकवाद के मुद्दे पर भारत को खाड़ी क्षेत्र के संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों का भी समर्थन मिलता रहा है। 43 वर्षों बाद कुवैत पहुंचने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने नरेन्द्र मोदी ने खाड़ी देश की अपनी यात्रा के दौरान चार दशकों की भरपाई करने की पूरी कोशिश की है। दौरे के दूसरे दिन मोदी की अमीर शेख मेशाल, क्राउन प्रिंस और वहां के पीएम से मुलाकातों के बाद बताया गया कि कुवैत खाड़ी क्षेत्र में भारत का एक और रणनीतिक साझेदार देश होगा। इस क्षेत्र में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ भारत पहले ही विशेष रणनीतिक साझेदारी स्थापित कर चुका है।

नीतिश की यात्रा — यात्रा के दौरान नीतीश कुमार विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे और नए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन या शिलान्यास भी करेंगे

नीतीश कुमार की 'प्रगति' को बीजेपी की 'ना', पटना से लेकर बगहा तक नजर नहीं आए भाजपाई

● **मंथन संवाददाता**

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को अपनी प्रगति यात्रा शुरू कर दी है। यह यात्रा वाल्मीकि नगर से शुरू होकर पूर्वी चंपारण के मोतिहारी तक जाएगी। यात्रा में जेडीयू के कई मंत्री और विधायक शामिल हुए, लेकिन बीजेपी के नेता अनुपस्थित रहे। इससे दोनों दलों के बीच बढ़ती दूरियों के कयास लगाए जा रहे हैं। यात्रा के दौरान नीतीश कुमार विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे और नए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन या शिलान्यास भी करेंगे। सरकारी निर्देशों के अनुसार, सिर्फ जिले के प्रभारी मंत्री और संबंधित जिले के स्थानीय मंत्री ही यात्रा में शामिल हो सकते हैं, बाकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेंगे।

जेडीयू कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को अपनी महत्वाकांक्षी प्रगति यात्रा पर निकल पड़े। यह यात्रा पश्चिम चंपारण के वाल्मीकि नगर से शुरू हुई। नीतीश कुमार के साथ जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे। पटना एयरपोर्ट से वाल्मीकि नगर के लिए रवाना होने से पहले नीतीश कुमार का जेडीयू कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। हालांकि, इस यात्रा में बीजेपी नेताओं की गैरमौजूदगी साफ दिखाई दी, जिससे राजनीतिक गलियारों में कयासों का बाजार गर्म है।

जेडीयू कोटे के मंत्री रहे मौजूदः नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के मौके पर उनके साथ जेडीयू कोटे के मंत्री विजय चौधरी, श्रवण कुमार, रत्नेश सदा, मदन सहनी और जयंत राज मौजूद थे। लेकिन बीजेपी के किसी भी मंत्री ने एयरपोर्ट पर नीतीश कुमार को विदा नहीं किया। यहां तक कि दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी इस यात्रा में शामिल नहीं हुए। दोनों इस समय दिल्ली में हैं। वहीं, बीजेपी नेताओं की अनुपस्थिति ने राजनीतिक हलकों में चर्चाओं को हवा दे दी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि जेडीयब और बीजेपी के रिश्तों में खटास आ गई है।

वाल्मीकि नगर पहुंचे हैं नीतीश कुमार

प्रगति यात्रा का पहला पड़ाव वाल्मीकि नगर है, जहां नीतीश कुमार ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का जायजा लिया। यात्रा पूर्वी चंपारण के मोतिहारी पहुंचेगी। मोतिहारी में भी नीतीश कुमार कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे और उसके बाद पटना लौट आएंगे। हैरान करने वाली बात ये है कि बगहा में भी बीजेपी के नेता नजर नहीं आए। ऐसे में सवाल उठता है कि बिहार एनडीए में सब ठीक है या यह यात्रा जेडीयू की है?

विनोद सराफ सीईओ की नौकरी छोड़ बनाई विनती ऑर्गेनिक्स, आज देश के बड़े अरबपतियों में शामिल

फोर्ब्स के मुताबिक 70 साल के विनोद सराफ आज देश के 96वें नंबर के अमीर शख्स हैं। उन्होंने साल 1989 में सीईओ की हाई प्रोफाइल नौकरी छोड़कर आइसोबुटिल बेंजीन के निर्माण के बिजनेस में कदम रखा। 38 साल की उम्र में बिजनेसमैन विनोद सराफ ने अपनी जिंदगी में ऐसा जोखिम लिया जो उनके लिए गेम चेंजर साबित हुआ। विनोद सराफ ने अपना सपना पूरा करने के लिए कॉर्पोरेट की हाई प्रोफाइल नौकरी को अलविदा कह दिया। उन्होंने अपने खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए सीईओ जैसे प्रतिष्ठित पद को छोड़ दिया। फोर्ब्स के मुताबिक 70 साल के विनोद सराफ आज देश के 96वें नंबर के अमीर शख्स हैं। उन्होंने साल 1989 में आइसोबुटिल बेंजीन के निर्माण के बिजनेस में कदम रखा।

आइसोबुटिल बेंजीन की बात करें तो ये फेमस पेन किलर आइबूप्रोफेन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला प्रमुख कच्चा माल है। उन्होंने अपनी कंपनी का नाम विनती ऑर्गेनिक्स रखा। ये नाम उन्होंने अपनी बड़ी बेटी के नाम पर रखा। आज विनती ऑर्गेनिक्स की मार्केट कैप 20,000 करोड़ रुपये है। मिडिल क्लास फैमिली से आने वाले विनोद सराफ ने देखते देखते एक दिन

आदित्य बिड़ला समूह की एक अग्रणी कंपनी का नेतृत्व करने लगे थे।

संघर्ष भरा था विनोद सराफ का सफर

विनोद सराफ की बात करें तो उनका सफर राजस्थान से शुरू हुआ। उनका जन्म एक छोटे व्यापारी के घर में हुआ था। वो सात भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। विनोद बचपन से ही पढ़ने में अव्वल थे। उन्होंने मात्र 17 साल की उम्र में अपनी ग्रेजुएशन पूरी कर ली थी। वो स्टेट टॉपर थे। इसके बाद 19 साल की उम्र में प्रतिष्ठित बिट्स पिलानी से एमबीए किया। यहां भी वो गोल्ड मेडलिस्ट थे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा हिंदी मीडियम में हुई थी। इसलिए कई मल्टीनेशनल कंपनियों में वो जगह नहीं बना पाए। इसके बाद उनकी प्रतिभा को कपड़े का व्यापार करने वाले एक बिजनेसमैन ने पहचाना। इसके बाद अगले 10 सालों तक कपड़ा व्यापार करने वाली अलग-अलग कंपनियों में उन्होंने नौकरी की।

साल 1990 में बनाई विनती ऑर्गेनिक्स

विनोद सराफ ने इसके बाद बिड़ला ग्रुप में एंट्री ली और उनकी एक कंपनी में नौकरी की। दिवगंत बिजनेसमैन आदित्य बिड़ला के साथ काम करते हुए वो मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बने। उन्हें उन्होंने ग्रासिम इंडस्ट्रीज, मॉडर्न सिंटेक्स और भीलवाड़ा ग्रुप जैसी कंपनियों में काम करने का अनुभव है। जब उनका करियर टॉप पर था, तब उन्होंने बिड़ला जैसे बड़े कॉर्पोरेट हाउस से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद साल 1990 में उन्होंने विनती ऑर्गेनिक्स की स्थापना की। उनकी बेटी ने जब उनकी मदद के लिए कंपनी ज्वाइन की तो कंपनी में बड़ा मोड़ आया। इससे पहले उनकी कंपनी क्वालिटी के मुद्दों से जूझ रही थी। अमेरिका की व्हार्टन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट विनती ने पिता के बिजनेस को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर खड़ा किया। विनती अभी विनती ऑर्गेनिक्स कंपनी की मैनेजिंग डॉयरेक्टर और मैनेजिंग डॉयरेक्टर है। 2019 में विनोद सराफ ने देश के नए अरबपतियों में जगह बनाई थी।

कथित तौर पर अल असद की पत्नी रूस में नहीं रहना चाहतीं और तलाक के बाद लंदन जाएंगी

सीरिया की सत्ता जाते ही बशर अल असद की पत्नी ने छोड़ा साथ, रूस में डाली तलाक की अर्जी, रिपोर्ट का दावा

● **मंथन विदेश ब्यूरो**

मॉस्को। सीरिया में तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति बशर अल असद का परिवार रूस में है। वह खुद भी रूस भाग चुके हैं। लेकिन इस बीच उनके लिए बुरी खबर आई है। तुर्की और अरब मीडिया ने रविवार को बताया कि अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद की ब्रिटिश पत्नी अस्मा अल-असद ने मॉस्को में अपने जीवन पर असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने अपने पति से तलाक के लिए अर्जी दी है। कथित तौर पर वह रूस में नहीं रहना चाहतीं और तलाक के बाद लंदन जाएंगी। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अस्मा ने रूसी अदालत में तलाक के लिए आवेदन किया और मॉस्को छोड़ने के लिए विशेष अनुमति मांगी है। कथित तौर पर उनके आवेदन का मूल्यांकन वर्तमान में रूसी अधिकारी कर रहे हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अस्मा के पास ब्रिटिश और सीरिया की नागरिकता है। उनका जन्म और पालन-पोषण लंदन में सीरियाई माता-पिता ने किया। अस्मा साल 2000 में सीरिया चली गईं। उसी साल 25 साल की उम्र में उन्होंने असद से शादी कर ली।

असद की संपत्ति रूस ने फ्रीज कीः हालांकि उनके शरण के अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया था। वहीं असद कथित तौर पर अभी भी गंभीर प्रतिबंधों के अधीन हैं। उन्हें मॉस्को छोड़ने या किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने की अनुमति नहीं है। रूसी अधिकारियों ने उनकी संपत्ति और पैसा भी जब्त कर लिया है। उनकी संपत्ति में 270 किग्रा सोना, 2 अरब डॉलर और मॉस्को में 18 अपार्टमेंट शामिल हैं।

असद के भाई को नहीं मिली शरणः सऊदी अरब और तुर्की की रिपोर्ट्स के मुताबिक बशर अल-असद के भाई माहेर अल-असद को रूस में शरण नहीं दी गई है और उनके अनुरोध की अभी भी समीक्षा की जा रही है। माहेर और उनका परिवार रूस में नजरबंद है। हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में विद्रोही बलों ने दिसंबर की शुरुआत में असद को सत्ता से उखाड़ फेंका था। ।।झ्र्स अमेरिका के मुताबिक एक आतंकी संगठन है। लेकिन अमेरिका ने एचटीएस के नेता अबू मोहम्मद अल-जुलानी के सिर पर से 10 मिलियन डॉलर का इनाम हटाने का फैसला किया है।